वर्ष-9 | अंक 26 | 17 फरवरी से 23 फरवरी 2025 तक | पृष्ठ-12 | MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

आमंत्रण मुल्य 15/-

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

बड़े शहरों के आसपास के नगरों को मिलाकर विकास का बनेगा कंपोजिट प्लान

शीघ्र ही क्षिप्रा का पानी होगा शुद्धः मुख्यमंत्री

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि क्षिप्रा नदी को निर्मल और अविरल बनाने के लिए निरंतर कार्य चल रहा है, शीघ्र ही क्षिप्रा का जल पूर्ण रूप से शुद्ध होगा। सभी देव-स्थानों के पास क्षिप्रा के दोनों किनारों पर घाट बनाए जाएंगे, जहां श्रद्धालु सुगमता से स्नान कर सकें। हर घाट को रामघाट की तरह ही विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही क्षिप्रा में नाव भी चलाई जाएंगी, जिनसे श्रद्धालु देव-स्थानों तक जा सकेंगे। उज्जैन, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर जैसे बड़े शहरों के आसपास के नगरों को मिलाकर विकास का कंपोजिट प्लान बनाया जाएगा, जो आने वाले 50 वर्षों को दृष्टिगत रखते हुए तैयार किया जाएगा।कार्यक्रम में महापौर श्री मुकेश टटवाल, विधायक उज्जैन उत्तर श्री अनिल जैन कालूहेड़ा और श्री संजय अग्रवाल मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को शहर के इन्दौर रोड शनि मंदिर त्रिवेणी के समीप मोती नगर क्षेत्र में हेरिटेज थीम पर नव निर्मित जी प्लस वन सामुदायिक भवन के साथ-साथ 22 करोड़ 72 लाख रूपये के विभिन्न विकास कार्यों के भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मोती नगर के निवासियों को सामुदायिक भवन के रूप में बडी सौगात मिली है। इससे मांगलिक कार्यक्रमों के आयोजन में गरीब परिवारों को अत्यंत सुविधा मिलेगी। उनके जीवन में आनंद के अविस्मरणीय पल आऐंगे। म.प्र. सरकार द्वारा हर वर्ग के जीवन में बेहतरी और सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया जा रहा है। यह हम सब का सौभाग्य है कि हमारा जन्म उज्जैन में हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस भवन के आस-पास रेती घाट स्थित है। वहां की आवासीय बस्ती में कच्चे मकानों के स्थान पर पक्के मकानों के निर्माण के लिए प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा कार्य योजना बनाई जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना में पक्के घर बनाकर दिए जाऐंगे। शहर में सड़क चौड़ीकरण में जिनके मकान प्रभावित हुए हैं उन्हें ढाई-ढाई लाख रूपए का मुआवजा अलग से दिया जाएगा। हर पात्र हितग्राही को शासन की समस्त जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले समय में पेप्सिको कंपनी के द्वारा उज्जैन में सबसे बड़े प्लांट की स्थापना की जाएगी। आलू की खेती करने वाले किसानों से कंपनी द्वारा आलू की खरीदी की जाएगी। सरकार द्वारा गौ-पालन करने वालों को अनुदान दिया जाएगा। हर वह व्यक्ति गोपाल है, जो गाय पालता है और हर वह घर गोकुल है जहां गायों का पालन पोषण होता है। गौ-दुग्ध उत्पादन को बढावा दिया जाएगा। गाय और बकरी का दूध भी दुग्ध संघ के द्वारा क्रय किया जाएगा। अधिक दुग्ध उत्पादन पर सरकार के द्वारा बोनस दिया जाएगा। स्व-रोजगार को बढावा देने के लिए कारखाने और लघु उद्योगों की स्थापना करने में सरकार सहायता करेगी। म.प्र. को देश के सबसे अच्छे राज्य के रूप में स्थापित करना हमारा संकल्प है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में तीव्र गति से विकास हो रहा है। उज्जैन, इंदौर और आस-पास के औद्योगिक क्षेत्र देवास, धार, शाजापुर, मक्सी-नागदा का विकास किया जा रहा है। उज्जैन में 5 फोरलेन मार्गों का कार्य चल रहा है। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री तथा उज्जैन के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के द्वारा उज्जैन को निरंतर सौगातें दी जा रही है। मुख्यमंत्री की दूरदर्शिता से निरंतर उज्जैन और समस्त प्रदेश का विकास हो रहा है। सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने कहा कि आज का क्षण हम सब के लिए अविस्मरणीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व में उज्जैन के स्वर्णिम विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। महापौर श्री मुकेश टटवाल ने कहा कि इस सामुदायिक भवन की परिकल्पना मुख्यमंत्री डॉ. यादव के द्वारा ही की गई थी और आज यह भवन पुर्ण रूप से बनकर तैयार हो चुका है। इससे आसपास के निवासियों को मांगलिक कार्यो के आयोंजन में बहुत सुविधा होगी। नगर निगम अध्यक्ष श्रीमति कलावती यादव ने स्वागत भाषण में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव जब पुर्व में उच्च शिक्षा मंत्री थे तब उनके द्वारा इस सामुदायिक भवन के निर्माण का भूमि-पूजन किया गया था। उनकी ही परिकल्पना ने आज मूर्त रूप लिया है।

इन कार्यों का हुआ भूमि-पूजन और लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना के अंर्तगत 89 लाख रुपए की लागत से देवास रोड़ स्थित तरणताल परिसर में फूड कोर्ट की दुकानों के पुनर्निर्माण कार्य, 06 करोड़ 91 लाख रुपए की लागत से पारस तालाब विकास कार्य, 2 करोड रुपए की लागत से विक्रम सरोवर तालाब विकास कार्य का भूमि-पूजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 4 करोड़ 83 लाख रुपए की लागत से दशहरा मैदान का विकास कार्य, 3 करोड़ 62 लाख रुपए की लागत से शनि मंदिर के समीप पब्लिक शेड निर्माण कार्य, 4 करोड़ 47 लाख रुपए की लागत से मोती नगर क्षेत्र में बने सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया गया।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक विजय पर सभी समर्पित कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं सम्माननीय मतदाताओं का धन्यवाद।
गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

खुद को जलाया, चाकू मारा.. फिर नर्मदा में कूदा

खरगोन में युवक ऑनलाइन गेम में 40 हजार रुपए हारा; सुसाइड की कोशिश की

न्यूज क्राइम फाइल

खरगोन में ऑनलाइन गेम ड्रीम-11 में 40 हजार रुपए हारने के बाद युवक ने सुसाइड का प्रयास किया। उसने पहले खुद को जलाने और गर्दन पर चाकू मारने की कोशिश की। फिर खलघाट पुल से नर्मदा नदी में छलांग लगा दी। गोताखोरों ने उसे बचा लिया। युवक का नाम हर्षित (28) पिता नरेंद्र बर्फा है। वह बड़वानी जिले के साली गांव का रहने वाला है। शनिवार दोपहर को वह करीब 2.30 बजे खलघाट ब्रिज पहुंचा था। जिस समय उसने ब्रिज से छलांग लगाई वहां नदी में मौजूद गोताखोर नरसिंह की उसे देखा और उसकी जान बचाई। हर्षित के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं, जिनसे खून बह रहा था।

पुलिस ने परिजन के हवाले किया

बलकवाड़ा थाना प्रभारी रितेश यादव ने बताया कि हर्षित ने ऑनलाइन गेम में 40 हजार रुपए हारने के बाद सुसाइड की कोशिश की।

हर्षित बर्फा

गोताखोर नरसिंह ने उसे बचाया। पुलिसकर्मी नीरज यादव और पीयूष त्रिपाठी उसे अस्पताल ले गए, जहां उसका इलाज कराया गया। इसके बाद पुलिस ने उसके परिजन को सूचना दी। परिजन उसे घर लेकर चले गए।

दो साल से नीट की तैयारी कर रहा था

पुलिस के मुताबिक हर्षित (20) 12वीं पास है। वह पिछले 2 साल से नीट की तैयारी कर रहा है। वह डॉक्टर बनना चाहता है। उसके माता-पिता गांव में खेती किसानी करते हैं। यह गेम उसके दोस्तों ने बताया था। इसके पहले एक दो बार ऑनलाइन गेम खेल चुका है, तब वह कम राशि हारा था, लेकिन इस बार वह 40 हजार रुपए हार गया था।

क्या है ड्रीम 11

ड्रीम 11 क्रिकेट का एक ऑनलाइन सट्टा गेम है। ड्रीम 11 नाम के ऐप पर खेलने वाले खिलाड़ी टीम बनाते हैं। चुने गए खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर पॉइंट्स मिलते हैं। सबसे ज्यादा पॉइंट्स मिलने पर एक खिलाड़ी को विजेता घोषित किया जाता है। इसमें सैकड़ों खिलाड़ी शामिल होते हैं। जीतने वाले कम होते हैं।

सिंघार बोले- मंत्री राजपूत ने आरटीओ की वसूली का रैकेट संभाला

केंद्रीय मंत्री को हर महीने 2 करोड़ भेजे; भाजपा का जवाब- ये चरित्र हनन का प्रयास

न्यूज क्राइम फाइल

आरटीओ के करोड़पति पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मंत्री गोविंद सिंह राजपूत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने सरकार पर सौरभ को बचाने का आरोप लगाते हुए कहा कि सौरभ के घर मिले दस्तावेजों की जांच होनी चाहिए। 40 दिन फरारी के दौरान वह कहां रहा? किसने मदद की? इसकी कोई जानकारी नहीं है। यह सच सामने आना चाहिए। सौरभ शर्मा की कॉल डिटेल अब तक सार्वजनिक नहीं हुई है। कॉल डिटेल सामने आने के बाद कई अधिकारी और नेता बेनकाब होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवहन विभाग से एक केंद्रीय मंत्री को हर महीने 2 करोड़ रुपए जाते थे। सिंघार ने कहा है कि जो जानकारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को लेकर सामने लाई गई है, उसमें करीब 1250 करोड़ रुपए की अनुपातहीन संपत्ति का ब्योरा है। इसके रिकॉर्ड उनके पास हैं। सरकार को इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच करानी चाहिए। गोविंद सिंह राजपूत अभी खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के मंत्री हैं। वे पूर्व में परिवहन मंत्री भी रह चुके हैं। सिंघार ने उनके परिवहन मंत्री

उमंग सिंघार
नेता प्रतिपक्ष, मध्यप्रदेश

गोविंद सिंह राजपूत
कैबिनेट मंत्री

कार्यकाल को लेकर आरोप लगाए।

सिंघार बोले- मंत्री राजपूत ने पूरे रैकेट को संभाला

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोप लगाया कि मंत्री गोविंद राजपूत ने पूरे रैकेट को संभाला। दशरथ पटेल और अलीम खान रिटायर होने के बावजूद भ्रष्टाचार करते रहे। उनके अलावा संजय ढांडे, संजय श्रीवास्तव ने गोविंद राजपूत के साथ मिलकर घोटाला किया। सिंघार ने कहा कि एक साल में करीब डेढ़ हजार करोड़ की कमाई होती थी। हर महीने डेढ़ सौ करोड़ की कमाई की जाती थी। इसी से मंत्री गोविंद राजपूत ने साल 2019 से 2024 के बीच कई जमीनें खरीदीं। पत्नी और बच्चों के नाम 400 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी खरीदी।

सिंघार का आरोप- समिति के नाम जमीन दान कराई

आरोप लगाते हुए उमंग सिंघार ने कहा कि मंत्री राजपूत ज्ञान वीर समिति के नाम पर जमीनें दान करा रहे हैं। इसके लिए एक समिति बनाई गई, जिसमें गोविंद सिंह ने पत्नी और बेटे को रखा। समिति को जमीन दान कराई गईं। जो जमीन दान की गई वो भी गोविंद सिंह राजपूत के रिश्तेदारों की हैं।

सौरभ शर्मा मामले में सिर्फ लीपापोती की जा रही

उमंग सिंघार ने सवाल किया कि क्या मध्य प्रदेश में वाकई 'जीरो टॉलरेंस' की नीति लागू है, या फिर यह सिर्फ एक नारा बनकर रह गई है? उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार में लिप्त मंत्री और अधिकारियों को बचाने की कोशिश की जा रही है और सौरभ शर्मा मामले में सिर्फ लीपापोती की जा रही है। सौरभ शर्मा की डायरी और कागजात में जिन लोगों के नाम सामने आए, उनसे अब तक पूछताछ क्यों नहीं की गई? मुख्यमंत्री इस भ्रष्टाचार की आग में हाथ डालने से क्यों बच रहे हैं?

हम श्रद्धेय अटल जी के सपनों का लखनऊ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, आदरणीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी की प्रेरणा से नए उत्तर प्रदेश को नए भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

महाकाल मंदिर जाने के लिए सातवें रास्ते का ड्रोन वीडियो

न्यूज क्राइम फाइल

उज्जैन में महाकाल मंदिर जाने के लिए एक और नया प्रवेश द्वार खुल गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार शाम को 25 करोड़ की लागत से रूद्र सागर पर बने ब्रिज का लोकार्पण किया। इसे सम्राट अशोक ब्रिज के नाम से जाना जाएगा। अब श्रद्धालु शक्ति पथ से सीधे महाकाल मंदिर पहुंच सकेंगे। इससे चारधाम मंदिर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए करीब डेढ़ किमी की दूरी कम हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने मानसरोवर के सामने जैसे ही नए ब्रिज का लोकार्पण किया। यहां जमकर आतिशबाजी की गई। शंख और डमरू बजाकर सीएम का स्वागत भी किया गया।

ब्रिज से लाइट एंड साउंड शो का मजा ले सकेंगे

ब्रिज की शुरुआत होने के बाद श्रद्धालु सीधे मान सरोवर पहुंचेंगे। यहां से जल्द ही महाकाल

मंदिर में शुरू होने वाले लेजर लाइट एंड साउंड के शो का भी भक्त ब्रिज पर खड़े होकर मजा ले सकेंगे। श्रद्धालु ब्रिज से भगवान शिव के प्राकट्य और उज्जयिनी की गौरव गाथा देख-सुन पाएंगे। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया भी हो चुकी है।

अभी तक 6 रास्तों से पहुंच सकते थे मंदिर

वर्तमान में मंदिर पहुंच के लिए पहला रास्ता पूर्व दिशा में बेगमबाग वाला, जिसे अब नीलकंठ वन, भारत माता मंदिर पहुंच मार्ग कहा जाता है। दूसरा रास्ता पश्चिम दिशा में सरस्वती शिशु मंदिर महाकालपुरम पहुंच मार्ग से जुड़ा है। तीसरा रास्ता पश्चिम दिशा में त्रिवेणी कला संग्रहालय के सामने से श्री महाकाल महालोक के नंदी द्वार से होकर और चौथा रास्ता बड़ा रूद्रसागर तरफ सरफेस पार्किंग के सामने बने पिनाकी द्वार से होकर उपलब्ध है। पांचवां रास्ता हरसिद्धि शक्तिपीठ मंदिर चौराहे से होकर और 6वां रास्ता उत्तर दिशा में हेरिटेज धर्मशाला के समीप स्थित प्राचीन महाकाल द्वार के रूप में उपलब्ध है। ब्रिज वाला रास्ता खुल जाने के बाद मंदिर का सातवां द्वार भी खुल जाएगा।

थार नहीं मिली तो दूल्हा बारात नहीं लाया

भोपाल में टीआई के बेटे ने मांगा 5 तोला सोना; डिमांड पूरी नहीं करने पर शादी से इनकार

न्यूज क्राइम फाइल

दूल्हे ने शादी के ऐन पहले थार गाड़ी मांग ली, जब दुल्हन पक्ष तत्काल में उसकी डिमांड पूरी नहीं कर पाया तो वह बारात लेकर नहीं आया। दूल्हा राजगढ़ का है। खास बात यह है कि उसके पिता टीआई है। मामला राजधानी भोपाल का है। इस मामले में लड़की पक्ष ने शनिवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शनिवार को रात में ही एफआईआर दर्ज कर ली है। अब पूरे मामले की जांच की जा रही है।

दूल्हे ने फोन लगाकर दुल्हन पक्ष से मांगी थार

दरअसल, शुक्रवार को भोपाल के लालघाटी क्षेत्र स्थित एक गार्डन में एक परिवार में शादी थी। मंडप सज चुका है। रिश्तेदारों समेत तमाम मेहमान आ चुके थे। सभी बारात का इंतजार कर रहे थे। बारात राजगढ़ से आने वाली थी। तभी रात करीब 8 बजे अचानक दूल्हा राहुल चौहान ने कॉल किया और दुल्हन पक्ष से थार कार की मांग की। दुल्हन पक्ष ने तत्काल थार की व्यवस्था करने में असमर्थता जताई। इससे नाराज राहुल ने मांग पूरी नहीं होने पर शादी तोड़ने की धमकी

राहुल चौहान, दूल्हा

दी। लड़की पक्ष मिन्नतें करता रहा, लेकिन वह नहीं माना। जब उससे पुलिस में शिकायत की बात कही तो उसने स्वयं को बीजेपी का सक्रिय नेता बता दिया।

दूल्हा अड़ा तो दुल्हन ने शादी से इंकार कर दिया

दूल्हा राहुल ने अपने टीआई पिता की धौंस दी। लड़की पक्ष ने राहुल की मां और पिता से बात की, लेकिन वह भी लड़के की मांग पूरी करने पर अड़े रहे। आखिरकार रात 11 बजे तक बारात नहीं आई। इसके बाद लड़की ने भी शादी करने से इनकार कर दिया। उधर, आरोपी भी किसी हाल बारात लाने को तैयार नहीं था।

टीआई बृजेंद्र मर्सकोले ने बताया-

26 वर्षीय युवती का विवाह समारोह शुक्रवार रात को एक गार्डन में था। राजगढ़ से आने वाले दूल्हा ने अचानक दहेज में पांच तोला सोना, थार जीप देने की मांग की। लड़की पक्ष ने जीप अचानक से देने में असमर्थता जताई। तब आरोपी दूल्हा राहुल चौहान ने बारात भोपाल लाने से इनकार कर दिया। राहुल के पिता गोपाल सिंह चौहान राजगढ़ में रेडियो शाखा में बतौर टीआई पदस्थ हैं।

दबाव डालकर महंगा गार्डन बुक करवाया गया

राहुल की इंगेजमेंट दो साल पहले हो गई थी। आरोप है कि इसके बाद से ही वर पक्ष मनमर्जी चला रहा था। लड़की पक्ष के लोग शादी के लिए अपनी हैसियत अनुसार दूसरा गार्डन बुक करना चाहते थे। राहुल के परिवार ने ही महंगा गार्डन बुक करने का दबाव बनाया था।

थार नहीं मिली तो बारात लेकर नहीं आएंगे

लड़की के मामा ने बताया कि दूल्हे ने थार गाड़ी की मांग की थी। उसने कहा कि अगर थार गाड़ी नहीं मिली तो बारात नहीं लाएंगे। जब हमने लड़के के पिताजी से बात की तो उन्होंने कि हम बारात लेकर नहीं आएंगे। आपसे जो बने कर लो।

नया जमाना, नए अवसर और खुले नए द्वार,
भारत की डिजिटल यात्रा को सशक्त बना रहा है आधार!
वीडी शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष - भाजपा मप्र

आलेख

भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व करें

पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) एक्शन समिट ने जहां दुनिया के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के महत्व को उजागर किया, वहीं यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। एआई से बदलती दुनिया के चमत्कार वरदान से कम नहीं है, लेकिन इससे जुड़ी चुनौतियां एवं खतरे इसे अभिशाप में भी बदल सकते हैं। बहुत आवश्यक है कि इसके उपयोग के संदर्भ में कोई वैश्विक ढांचा एवं नियंत्रण का केन्द्र एवं नीति बने। क्योंकि एआई के दुरुपयोग के खतरे किसी से छिपे नहीं। अभी एआई का उपयोग अपने प्रारंभिक चरण में ही है, लेकिन उससे पैदा होने वाली कई चुनौतियों एवं खतरों ने सिर उठा लिया है। लेकिन इस नई तकनीक से जीवनशैली, शिक्षा, चिकित्सा, युद्ध, सेना, शासन-प्रशासन, चुनाव, व्यापार, विचार आदि में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। भारत एआई को लेकर बहुत उत्साहित है और दुनिया में एआई का सबसे बड़ा केन्द्र बनने को भी तैयार है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता की बल्कि अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश भी करते हुए बता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है। भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए तकनीकी विकास की दृष्टि से भी सफलता के नये झंडे गाड रहा है। एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है। उनके एकाधिकार और उनकी मनमानी से निपटना विश्व के तमाम देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। यदि इसी तरह का एकाधिकार एआई कंपनियों ने भी स्थापित कर लिया तो फिर समस्या गंभीर हो जाएगी। सबसे अधिक समस्या विकासशील और निर्धन देशों को होगी, जो पहले से ही चुनिंदा तकनीकी कंपनियों के वर्चस्व तले दबी हुई है। मोदी ने एआई तकनीक के संतुलित एवं विवेकसम्मत उपयोग एवं विकास की आवश्यकता को भी व्यक्त किया। क्योंकि यह उन्नत तकनीक बनाने वाली कुछ कंपनियां उसे अपने हिसाब से संचालित करती हुई भी दिख रही हैं। इस तकनीक का मनमाना इस्तेमाल न होने पाए, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावी कदम उठाने होंगे। यह एआई एक्शन समिट ऐसे समय हो रही है, जब चीनी कंपनी डीपसीक दुनिया को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है। भारत एआई की चुनौतियों एवं खतरों को लेकर सतर्क है। क्योंकि एआई द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ बहुआयामी हैं और लगातार विकसित हो रही हैं। उदाहरण के लिए डीपफेक, जो डिजिटल मीडिया हैं-वीडियो, ऑडियो और चित्र-जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है, हाइपर-रियलिस्टिक डिजिटल मिथ्याकरण को शामिल करते हैं। इसका संभावित रूप से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने, सबूत गढ़ने और लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। जबकि डीपफेक का इस्तेमाल चुनावों जैसे कुछ मामलों में किया गया है, उनका उपयोग विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से देखा जा रहा है। डीपफेक के अलावा, एआई से जुड़े अन्य जोखिम भी हैं। इनमें गोपनीयता, पूर्वाग्रह, पारदर्शिता, जवाबदेही और दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए एआई के संभावित दुरुपयोग से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। भारत सरकार

इन मुद्दों को सलाह और विनियमों के माध्यम से नियोजित एवं नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है जो पारदर्शिता, सामग्री मॉडरेशन, सहमति तंत्र और डीपफेक पहचान पर जोर देते हैं ताकि जिम्मेदार एआई तैनाती सुनिश्चित हो और चुनावी अखंडता की रक्षा हो सके। यह एक सतत प्रयास है और जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे, इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक मजबूत तंत्र के विकास के साथ सक्षम होने की अपेक्षा रहेगी। एआई विकसित होता रहेगा, नये-नये करिश्माई एवं चमत्कारी आयाम उससे जुड़ते रहेंगे और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह ऐसे तरीके से हो जो सभी के लिए सुरक्षित, नैतिक और लाभकारी हो। आवश्यक बुनियादी ढांचे, हार्डवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमताओं के विकास में सहायता के लिए निवेश महत्वपूर्ण है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग से आवश्यक पूंजी जुटाई जा सकती है। यह संयुक्त प्रयास एआई नवाचार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दे सकेगा और जिससे भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व कर सकेगा। इसी पहलू को रेखांकित करती है यह पेरिस की तीसरी एआई एक्शन समिट, जिसमें दुनिया भर के 90 देशों और तमाम बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं।

संपादकीय

क्या अब विपक्षी एकता कायम रहेगी?

राजनीति में कब क्या हो जाए, कुछ भी नहीं कहा जा सकता। इसलिए ही तो राजनीति को अनिश्चितता का खेल कहा जा सकता है। लेकिन ज़ब राजनेता और राजनीतिक दल इस धारणा को तिलांजलि देते दिखाई देते हैं, तो उस अवस्था को अति आत्म विश्वास के भाव में व्यक्त किया जाता है। अति आत्मविश्वास का होना सदैव विनाशकारी और आत्म घातक माना जाता है। ऐसा ही दुखद अध्याय दिल्ली विधानसभा के चुनाव में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी के नेताओं का व्यवहार निश्चित ही ऐसा होता जा रहा था, जो अति विश्वास को ही परिलक्षित करने वाला ही था। हालांकि किसी किसी भी चुनाव के दो पहलू होते हैं। किसी भी चुनाव क्षेत्र में केवल एक ही व्यक्ति विजय प्राप्त करता है, शेष सभी पराजित ही होते हैं। पराजय निश्चित रूप से गलती सुधारने का अवसर प्रदान करती है। आम आदमी पार्टी इस पराजय को अपनी भूल सुधार के लिए स्वीकार करेगी, यह होना चाहिए, लेकिन आम आदमी पार्टी के नेता ऐसा करने की मानसिकता में दिखाई नहीं देते। इसका कारण यही है कि उनमें राजनीतिक दल की सरकार को चलाने का अनुभव नहीं है। आम आदमी पार्टी के नेताओं का अभी भी यह मानना है कि उनकी पार्टी मात्र दो प्रतिशत के अंतर से हारी है, लेकिन उनको पता होना चाहिए कि एक प्रतिशत का अंतर भी राजनीति का दृश्य बदल सकता है। इसलिए यही कहा जा सकता है कि हार तो हार होती है, उसके तर्क का सहारा लेकर मन को दिलासा दी जा सकती है, जीत नहीं मानी जा सकती। वैसे विपक्ष को इसकी आदत सी हो गई है कि वह हार को आसानी से स्वीकार नहीं कर पाता। पिछले लोकसभा के चुनाव परिणाम आने के बाद भी ऐसी ही तस्वीर दिखाने का प्रयास किया गया कि विपक्ष ने मानो सरकार बनाने लायक़ जीत हासिल कर ली हो, लेकिन तस्वीर का असली चेहरा कुछ और ही था। वर्तमान राजनीतिक उतार चढ़ाव का अध्ययन किया जाए तो यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी राजनीतिक दल सत्ता में आने के लिए एक होने की क़वायद कर चुके हैं, लेकिन यह क़वायद परवान नहीं प्राप्त कर सकी। लोकसभा चुनाव के समय इंडी गठबंधन बनाकर तमाम भाजपा विरोधी दलों ने कई राज्यों में एकता का दिखावा किया। लेकिन कई राज्यों के विधानसभा चुनाव के समय इंडी गठबंधन के दल एक साथ न होकर बिखरे हुए दिखाई दिए। अब आगे चलकर एकता के प्रयास किए तो जाएंगे, लेकिन वे एक साथ हो जाएंगे, इस बात की संभावना बहुत कम दिखाई देती है। सीधे अर्थों में कहा जाए तो विपक्षी एकता को कई बार झटके लग चुके हैं।

मप्र की जनता देख व समझ रही है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने उप नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कर, मोहन सरकार ने एक बार फिर अपनी बदनीयत बताई है!
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

वॉट्सऐप पर करते थे 20-30 हजार में एक रात का सौदा; 250 लड़कियों की फोटो मिले

सेक्स वर्कर सप्लाई करने वाले 3 और आरोपी गिरफ्तार

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल की अशोका गार्डन पुलिस ने शहर में सक्रिय देह व्यापार के 26 दलालों की पहचान की है। इनमें से 18 को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने 6 आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने दूसरे प्रदेशों से लड़कियों को भोपाल बुलाने की बात कबूल की है। आरोपी बाहर से बुलाई गई लड़कियों के लिए रहने का इंतजाम करते थे और प्रति रात 20-30 हजार रुपए तक भुगतान करने वाले ग्राहक तलाशते थे। इसके बदले उन्हें 8 से 10 हजार रुपए तक का कमीशन मिलता था। लड़कियां मुहैया कराने की पूरी डीलिंग वॉट्सऐप पर होती थी। फोटो भेजकर लड़कियों का चयन किया जाता था। ग्राहकों के ठिकाने तक लड़कियों को लाने और वापस छोड़ने की जिम्मेदारी भी दलालों की होती थी। आरोपियों के मोबाइल फोन से हरियाणा, दिल्ली, पंजाब और मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों की 250 से ज्यादा लड़कियों की तस्वीरें बरामद हुई हैं। गिरोह के सरगना आशुतोष वाजपेयी और महक यादव हैं, जो फिलहाल मानव तस्करी के मामले में भोपाल जेल में बंद हैं। अशोका गार्डन पुलिस ने 26 जनवरी को दोनों को गिरफ्तार किया था। इससे पहले दोनों शाहपुरा इलाके में 17 अप्रैल 2024 को होटल के स्क्वायर में कॉल गर्ल की हत्या के मामले में भी जेल जा चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि, भोपाल में देह व्यापार का सबसे बड़ा नेटवर्क महक और आशुतोष ही

संचालित कर रहे हैं। मानव तस्करी के मामले में इन दोनों की गिरफ्तारी के बाद ही भोपाल में लड़कियों की सप्लाई करने वाले सबसे बड़े गिरोह का खुलासा हुआ।

महिला सहित तीन को रिमांड पर लिया

गुरुवार को पुलिस ने आरोपी निधि अग्रवाल, कोलार निवासी मकबूल अली और अर्जुन पटेल को कोर्ट में पेश कर 18 फरवरी तक रिमांड पर लिया है। मंगलवार को पुलिस ने पूजा ठाकुर उर्फ डिंपी, कुल्दीप उर्फ कुणाल और नवेद खान को कोर्ट में पश कर रिमांड पर लिया था। अब पुलिस सभी 6 आरोपियों का आमना सामना कराएगी और उनके नेटवर्क और सभी की भूमिका के संबंध में पूछताछ करेगी। पुलिस की अब तक की जांच में सभी आरोपियों द्वारा भोपाल और आस पास के जिलों में लड़कियां सप्लाई करने की बात सामने आ चुकी है। मोटी रकम कमाने के लिए आरोपी नाबालिग लड़कियों को भी सप्लाई करने का काम करते थे।

गिरोह के सरगना के शहर में कई घर

पुलिस के मुताबिक, गिरोह के सरगना आशुतोष वाजपेयी की शहर में कई जगह संपत्ति सामने आई है। यह करोड़ों की बताई जा रही है। इनमें अरेरा कॉलोनी स्थित घर, कोलार, शाहपुरा सहित कई जगह घर मिले हैं। पुलिस नगर निगम से इसकी अचल संपत्ति की जानकारी निकलवा रही है। अधिकारियों का कहना है कि, आरोपी आशुतोष की कमाई का जरिया कुछ खास नहीं। कहीं न कहीं इस काली कमाई से यह संपत्ति अर्जित की गई।

10-15 दिन से ज्यादा एक लड़की को शहर में नहीं रखते थे

आरोपी प्रदेश के बाहर से बुलाई लड़कियों को 10-15 दिन से ज्यादा भोपाल में नहीं रखते थे। उनकी पूरी सुरक्षा का ध्यान रखा जाता था। कॉल पर जाने से पहले महक और आशुतोष के गुर्गे साथ जाते थे। ग्राहक द्वारा बताए पते तक गुर्गे ही छोड़ते थे, जब तक लड़की लौटती नहीं थी, आस पास ही रहते थे। मोबाइल पर लड़कियों से लगातार संपर्क में रहते थे। जबकि शहर में काम करने वाले उनके 26 मुख्य दलाल अलग-अलग इलाकों में सक्रिय रहकर हाई प्रोफाइल ग्राहकों की तलाश करते थे। पूरी डील भी दलाल ही करते थे।

इस केस से दोबारा सुर्खियों में आए

अशोका गार्डन से 2 साल पहले लापता हुई 15 साल की नाबालिग को पुलिस ने अशोकनगर से 25 जनवरी को बरामद किया था। बरामद पीड़िता ने पुलिस को बताया था कि, आरोपी आशुतोष-महक के जरिए उसका सौदा हुआ था। इस मामले में पुलिस 6 लोगों को गिरफ्तार किया और जेल भेजा। इनमें आरोपियों में पति और पत्नी सहित शोभाराम, ऑटो चालक सलमान शामिल था।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441

website: www.newscrimefile.com

email: newscrimefile@yahoo.com

आज भोपाल निवास स्थित समत्व भवन में जन अभियान परिषद के शासी निकाय की 14th कार्यकारिणी बैठक कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।
मोहन यादव- सीएम मप्र

मप्र के 18 आईएएस अफसरों को करनी होगी ट्रेनिंग

न्यूज क्राइम फाइल

एमपी कैडर के 18 अधिकारियों को केंद्र सरकार ने मिड करियर ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होने के निर्देश दिए हैं। अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के इन अधिकारियों में से सात अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं, जबकि बाकी एमपी में ही पदस्थ हैं। मिड करियर ट्रेनिंग का यह प्रोग्राम 7 अप्रैल से 25 अप्रैल तक चलेगा। मिड करियर ट्रेनिंग पूरी करना अनिवार्य किया गया है क्योंकि यह आईएएस अफसरों को जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड, सुपर टाइम स्केल और 28 साल की सेवा के बाद मिलने वाली वेतन वृद्धि के लिए मेंडेटरी है। डीओपीटी (केंद्रीय कार्मिक और प्रशिक्षण मंत्रालय) के सचिव पी.के. मिश्रा ने इस संबंध में एमपी के चीफ सेक्रेटरी समेत अन्य राज्यों को लिखे पत्र में कहा है कि जनवरी 2007 से शुरू हुए मिड करियर ट्रेनिंग प्रोग्राम की अनिवार्यता के बावजूद कई राज्यों में इसका पालन नहीं हो रहा है। इसके लिए हर अधिकारी को तीन अवसर दिए जाते हैं। कैडर कंट्रोल अथॉरिटी द्वारा बिना ट्रेनिंग के ही कई अधिकारियों को वेतन में वृद्धि का लाभ दिया गया है, जो आईएएस सर्विस पे रूल्स 2007 के अनुसार सही नहीं है।

जाइंट सेक्रेटरी छवि भारद्वाज ने जारी की सूची

एमपी कैडर की अधिकारी और केंद्र में जाइंट सेक्रेटरी छवि भारद्वाज ने इस ट्रेनिंग को लेकर लिखे पत्र में कहा है कि मिड करियर ट्रेनिंग के फेज-पांच का 16वां दौर 7 अप्रैल से 25 अप्रैल 2025 तक होगा। इसके लिए 1998 बैच के अफसरों को पहला अवसर, 1997 बैच के अफसरों को दूसरा अवसर और 1993, 1994, 1995, 1996 बैच के अफसरों को तीसरा और अंतिम अवसर मिलेगा। भारद्वाज के अनुसार, जिन अधिकारियों के पास रिटायरमेंट में तीन महीने से कम का समय है, उन्हें ट्रेनिंग में शामिल नहीं किया जाएगा। इस ट्रेनिंग में दिसंबर 2028 से पहले रिटायर होने वाले अफसरों को शामिल नहीं किया जा रहा है। जिन अफसरों के नाम सिलेक्ट हुए हैं, उनके नॉमिनेशन की प्रक्रिया 15 मार्च तक पूरी करने के लिए कहा गया है। इसके बाद, 25 मार्च तक संबंधित अधिकारी को रिपोर्ट देनी होगी कि वह ट्रेनिंग के लिए 6 अप्रैल तक मसूरी पहुंच जाएगा। देश भर के कुल 245 आईएएस अफसर इस ट्रेनिंग शेड्यूल में शामिल किए गए हैं।

ट्रेनिंग के लिए एमपी के इन अधिकारियों को बुलाया

मनोज गोविल (1991)
पंकज अग्रवाल (1992)
दीप्ति गौड़ मुखर्जी (1993)
रश्मि अरुण शमी (1994)
विवेक अग्रवाल (1994)
पल्लवी जैन गोविल (1994)
संजय कुमार शुक्ला (1994)
हरिरंजन राव (1994)
मनीष रस्तोगी (1994)
अमित राठौर (1996)
फैज अहमद किदवई (1996)
नीतेश कुमार व्यास (1996)
संजीव कुमार झा (1996)
मनीष सिंह (1997)
सुखवीर सिंह (1997)
आकाश त्रिपाठी (1998)
मुकेश चंद्र गुप्ता (1998)
निकुंज श्रीवास्तव (1998)

सौजन्य भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की गरिमामय उपस्थिति में मुख्यमंत्री आवास पर जन अभियान परिषद के शासी निकाय की 14वीं कार्यकारिणी बैठक में सहभागिता की। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा उपस्थित अधिकारियों को जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, एवं विकास कार्यों की समयबद्ध समीक्षा हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

यहां एक बेहद उपयोगी यात्रा के मुख्य अंश दिए गए हैं... ऊर्जा से लेकर शिक्षा तक, व्यापार से लेकर प्रौद्योगिकी तक और मैं से लेकर अंतरिक्ष तक...कई मुद्दों पर चर्चा हुई।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

पिछली बार 29 करोड़ थी इस बार 60 करोड़

चैंपियंस ट्रॉफी की प्राइज मनी दोगुना से ज्यादा बढ़ी

न्यूज क्राइम फाइल

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने शुक्रवार को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए प्राइस मनी की घोषणा की है। पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू होने जा रही है। इसमें आठ देश हिस्सा लेंगे। इस एडिशन के चैंपियन को 19.46 करोड़ (2.24 मिलियन डॉलर) और उपविजेता को 9.72 करोड़ (1.12 मिलियन डॉलर) रुपए मिलेंगे। वहीं, सेमीफाइनल हारने वाली दोनों टीम को लगभग 4.86 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। चैंपियंस ट्रॉफी की कुल प्राइज मनी 59.93 करोड़ है, जो 2017 में हुई पिछली चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले 53त्न ज्यादा है। 2017 की कुल प्राइज मनी 28.88 करोड़ रुपए थी। 9 मार्च को फाइनल खेला जाएगा हाइब्रिड मॉडल में होने वाला टूर्नामेंट 19 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च तक चलेगा। 19 दिन में 15 मैच खेले जाएंगे। दूसरे सेमीफाइनल और फाइनल के लिए रिजर्व डे भी रखा गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप मैच 23 फरवरी को दुबई में होगा। भारत अपने सभी मैच दुबई में ही खेलेगा, टीम के ग्रुप में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड भी हैं। दुबई में ही एक सेमीफाइनल भी खेला जाएगा। अगर भारत फाइनल में पहुंचा तो यह मैच भी दुबई में होगा। जबकि टूर्नामेंट के बाकी 10 मैच पाकिस्तान में होंगे। चैंपियंस ट्रॉफी 8 साल बाद होने जा रही है, 2017 में आखिरी बार पाकिस्तान ने भारत को फाइनल हराकर खिताब जीता था। बांग्लादेश के खिलाफ अभियान शुरू करेगा भारत भारत ग्रुप-ए में है। टीम के ग्रुप में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड हैं। वहीं दूसरे ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान हैं। 4 और 5 मार्च को 2 सेमीफाइनल होंगे, वहीं 9 मार्च को फाइनल खेला जाएगा।

कराची स्टेडियम में संदिग्ध युवक गिरफ्तार

न्यूज क्राइम फाइल

चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले एक व्यक्ति कराची के नेशनल स्टेडियम में फर्जी मीडिया एक्रीडिएशन के साथ पकड़ाया है। वह पाकिस्तान-न्यूजीलैंड के बीच 14 फरवरी को होने जा रहे ट्राई सीरीज के फाइनल मैच से पहले मेन बिल्डिंग में घुसने की कोशिश कर रहा था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उस आदमी का नाम मुजम्मिल कुरैशी है। उसे एंट्री गेट पर सिक्योरिटी चेकिंग के दौरान रोका गया। अधिकारी ने कहा- वह खुद को पत्रकार बता रहा था और उसके पास ICC और PCB के फर्जी एक्रीडिएशन थे। अधिकारी ने बताया- जब सुरक्षाकर्मियों को संदेह हुआ तो उसने एक और फर्जी पहचान पत्र दिखाया, जिसमें उसे कैमरामैन बताया गया था। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे स्थानीय पुलिस स्टेशन में पूछताछ की जा रही है, ताकि पता लगाया जा सके कि उसने नकली कार्ड कहां से बनवाए और वह उनका इस्तेमाल क्यों कर रहा था। कराची स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी के 3 मैच खेले जाने हैं। इनमें पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच का ओपनिंग मैच भी शामिल है। चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू हो रही है।

सोना ऑल टाइम हाई बनाकर 91 गिरा

एक किलो चांदी की कीमत 2,404 बढ़कर 97,953 हुई

न्यूज क्राइम फाइल

सोना आज यानी 14 फरवरी (शुक्रवार) को अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 341 रुपए बढ़कर 86,089 रुपए हो गया। हालांकि, दिनभर के कारोबार के बाद सोना हाई से 91 रुपए गिरकर 85,998 रुपए पर आ गया। इससे पहले 13 फरवरी को सोना 85,748 रुपए पर था। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 2,404 रुपए बढ़कर 97,953 रुपए किलो पर पहुंच गई। कल चांदी का भाव 95,549 रुपए किलो था। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

1 जनवरी से अब तक सोना 9,836 महंगा हुआ

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 9,836 रुपए बढ़कर 85,998 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 11,936 रुपए बढ़कर 97,953 रुपए पर पहुंच गया है।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,310 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,160 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 79,900 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 87,160 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,160 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,210 रुपए है।

सोने में तेजी के 4 कारण

- ट्रम्प के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने से जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ गई हैं।
- डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से सोना महंगा हो रहा है।
- महंगाई बढ़ने से भी सोने की कीमत को सपोर्ट मिल रहा है ।
- शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ने से लोग गोल्ड में निवेश बढ़ा रहे हैं।

2024 में गोल्ड ने 20% और सिल्वर ने 17% का रिटर्न दिया

बीते साल सोने का भाव 20.22% बढ़ा। वहीं, चांदी की कीमत में 17.19% की बढ़ोतरी हुई। 1 जनवरी 2024 को सोना 63,352 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 31 दिसंबर 2024 को 76,162 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया था। वहीं इस दौरान, एक किलो चांदी की कीमत 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 86,017 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी।

मोदी सरकार देशभर में खेलों के लिए विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर और इकोसिस्टम तैयार कर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रही है।

केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

हिंदू-जैन परंपरा से हुई शिवराज के बेटे कुणाल की शादी

भोपाल में रिसेप्शन; उप राष्ट्रपति धनखड़, योगी आदित्यनाथ, राजनाथ सिंह शमिल हुए

न्यूज क्राइम फाइल

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के छोटे बेटे कुणाल सिंह चौहान आज विवाह बंधन में बंधने जा रहे हैं। भोपाल के होटल ताज में जैन परिवार की बेटी रिद्धि के साथ कुणाल के विवाह की रस्में पूरी होंगी। स्नेह भोज नीलबड़ के पास वाना ग्रीन होटल में होगा। शादी समारोह में भाग लेने के लिए उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ सहित छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री और नेता शामिल होंगे। भोपाल में विवाह समारोह में सीएम डॉ. मोहन यादव, राज्यपाल मंगू भाई पटेल, पूर्व सीएम कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, सहित मध्यप्रदेश सरकार के मंत्रियों, सभी विधायकों, सांसदों, केन्द्रीय मंत्रियों और सभी दलों के नेता शामिल होंगे। होटल वाना ग्रीन में होने वाले नेताओं के मूवमेंट को देखते हुए पुलिस और प्रशासन अलर्ट है।

हिंदू और जैन परंपरा के मुताबिक होगी शादी

कुणाल सिंह चौहान की शादी भोपाल के डॉक्टर इंद्रमल जैन की पोती और संदीप जैन की बेटी रिद्धि से होने जा रही है। शादी हिंदू और जैन परंपराओं के अनुसार होगी।

■देर शाम से शुरू होगा मेहमानों के पहुंचने का सिलसिला

■केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और डॉक्टर पेमासानी चंद्रशेखर शाम 5 बजे शादी में शामिल होंगे।

■उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शाम 7 बजे वाना ग्रीन में पहुंचेंगे।

■छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह और कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री भी देर शाम आएंगे।

■छत्तीसगढ़ और मणिपुर की पूर्व राज्यपाल उइके रात 8 बजे शादी समारोह में पहुंचेंगी।

■पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ रात 8 बजे शादी समारोह में शामिल होंगे।

■ज्योर्तिमठ अवंत भानपुरा पीठ के महाराज स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ जी महाराज रामगंज मंडी राजस्थान से रात करीब 8ः30 बजे शादी समारोह में शामिल होंगे।

कार्तिकेय की शादी 6 मार्च को जोधपुर में

शिवराज सिंह चौहान के बड़े बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान की शादी अगले महीने 6 मार्च को राजस्थान के जोधपुर के रेडिसन होटल में होगी। शादी समारोह में वर-वधु पक्ष के चुनिंदा लोग और रिश्तेदार ही शामिल होंगे। कार्तिकेय की शादी फुटवियर कंपनी लिबर्टी शूज के डायरेक्टर अनुपम बंसल की बेटी अमानत से हो रही है।

रिसेप्शन में पीएम मोदी और राहुल गांधी को न्योता

कार्तिकेय की शादी के बाद 12 मार्च को भोपाल के जंबूरी मैदान और 18 मार्च को दिल्ली के एयरफोर्स ग्राउंड में रिसेप्शन रखा है। इस रिसेप्शन में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खडगे, अखिलेश यादव, मायावती सहित देश भर के सभी सांसदों, केन्द्रीय मंत्रियों और सभी दलों के प्रमुख नेताओं को बुलाया है।

मासूम बोला- अंकल कह रहे थे कि तेरे पापा से पैसे लेंगे

ग्वालियर से किडनैप बच्चा 14 घंटे बाद मिला

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर से गुरुवार सुबह करीब 8 बजे किडनैप हुआ शक्कर कारोबारी का 6 साल का बेटा शिवाय 14 घंटे बाद रात करीब 10 बजे मिला। बदमाश उसे मुरैना में बंशीपुर के कांजी बसई गांव में ईंट भट्?टे के पास छोड़कर भाग गए थे। शिवाय यहां एक जगह पर खड़ा रो रहा था। वहां से गुजरे एक ई-रिक्शा वाले ने उसे पहचान लिया कि वह ग्वालियर से किडनैप हुआ है। उसने बच्चे को कांजी बसई गांव के सरपंच को सौंप दिया। सरपंच ने बच्चे के माता-पिता और पुलिस से संपर्क किया। जिसके बाद पुलिस वहां पहुंची। पुलिस ने बच्चे को अपनी निगरानी में लिया। उसकी वीडियो कॉल पर मां-पिता से बात कराई। रात में ही पुलिस की टीम शिवाय को लेकर ग्वालियर उसके घर पहुंची। बेटे को देखते ही मां-पिता के आंसू निकल आए। पुलिस के मुताबिक, फिलहाल ये पता नहीं चल सका है कि अपहरणकर्ता कौन थे और वारदात के पीछे क्या मकसद था?

बिस्किट्स और चॉकलेट खाने को दिए

शिवाय ने बताया- बाइक वाले अंकल मुझे एक खेत में ले गए थे। वहां मुझे एक अंकल के पास रखा। मुझे रस्सी से भी बांधा गया था। वह मुझे बिस्किट्स और चॉकलेट खाने के लिए दे रहे थे, लेकिन मैंने नहीं खाए। मैंने मम्मी के पास जाने के लिए कहा तो बाइक वाले अंकल कह रहे थे कि तेरे पापा से पहले पैसे लेंगे। इसके बाद रात होने पर मुझे एक खेत के पास छोड़कर चले गए। मुझसे कहा कि कुछ दूर चलेगा तो तेरा घर आ जाएगा। कुछ दूर चलने के बाद घर नहीं आया तो मैं रोने लगा। फिर वो गांव वाले अंकल आ गए थे।

वारदात में 3 आरोपी शामिल हो सकते हैं

शिवाय ने परिजन को बताया कि दो बदमाशों ने पकड़ा और एक अन्य के पास रखा। इस तरह मामले में अब तीन आरोपी शामिल होने की बात सामने आई है। पिता राहुल गुप्ता की गोद में बैठे शिवाय से जब पूछा गया कि आज स्कूल नहीं गए तो वह डर गया। उसने कहा कि वह अब स्कूल नहीं जाएगा। उसने मम्मी-पापा के साथ भी स्कूल जाने से मना कर दिया है।

इन सवालों पर भी जांच कर रही पुलिस

पुलिस अब मामले में जांच कर रही है कि कारोबारी की किसी से कोई रंजिश है या नहीं। पुलिस को पता लगा है कि राहुल की ससुराल में किसी ने दो किलो सोना गिरवी रखा था। बाद में वह सोना राहुल के पास आ गया था। वारदात की कड़ी इससे जुड़ सकती है।

Aero India 2025 का समापन हो रहा है। परन्तु मैं समझता हूँ, कि Aero India जैसे E&hibitions का Physically भले ही समापन हो जाए, लेकिन इसका Impact कभी खत्म नहीं होता।

रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

सीएम बोले- हम इसके पक्ष में, एससी-एसटी वर्ग को भी मिलना चाहिए निर्धारित कोटा

27% ओबीसी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट जाएगी मप्र सरकार

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27% आरक्षण के मुद्दे पर राज्य सरकार अब सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एडवोकेट जनरल प्रशांत सिंह को जल्द से जल्द सुनवाई के लिए आवेदन लगाने को कहा है, ताकि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद सरकार उसे लागू कर सके। विधि, सामान्य प्रशासन और वित्त विभाग समेत अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में गुरुवार को हुई बैठक के बाद यह फैसला लिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा- हमारी सरकार बनने से पहले से ही ओबीसी वर्ग को 27% आरक्षण दिए जाने को लेकर अलग-अलग याचिकाओं के जरिए कोर्ट में केस चल रहा है। इसी को लेकर आज प्रदेश के सभी संबंधित विभागों के अफसरों के साथ बैठक की गई। हमने एडवोकेट जनरल से कहा है कि सुप्रीम कोर्ट में जल्द से जल्द सुनवाई के लिए आवेदन लगाएं। हमारी सरकार का मंतव्य स्पष्ट है कि 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करना है। हमने तय किया है कि सुप्रीम कोर्ट को सरकार का मंतव्य जल्द से जल्द बताया जाए। इसके बाद न्यायालय जो भी फैसला करेगा, उसे लागू किया जाएगा। सीएम ने कहा कि एससी और एसटी वर्ग को जो आरक्षण कोटा निर्धारित है, वह मिलना चाहिए। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर कन्फ्यूजन की स्थिति बन रही है। सरकार ने इस मामले में स्पष्ट राय तय करने का फैसला किया है।

आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

इससे पहले 28 जनवरी को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के राज्य शासन के निर्णय को चुनौती दी गई थी। यह भी बता दें कि 4 अगस्त 2023 को हाईकोर्ट ने एक अंतरिम आदेश के तहत राज्य सरकार को 87:13 का फॉर्मूला लागू करने का निर्देश दिया था। इस आदेश के बाद प्रदेश की सभी भर्तियां ठप हो गई थीं। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की डबल बेंच ने की। यह याचिका सागर की यूथ फॉर इक्वेलिटी संस्था की ओर से दायर की गई थी। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने 2 सितंबर 2021 को ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण की अनुमति से जुड़ा परिपत्र जारी किया था। इसमें 3 विषयों को छोड़कर शेष में 27 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया था। इनमें नीट पीजी प्रवेश परीक्षा 2019-20, पीएससी द्वारा मेडिकल ऑफिसर भर्ती 2020 और हाईस्कूल शिक्षक भर्ती में 5 विषय शामिल थे।

मामले से जुड़ी 70 याचिका सुप्रीम कोर्ट में

हाईकोर्ट ने मार्च 2019 में ओबीसी के लिए बढ़ाए गए 13 प्रतिशत आरक्षण पर रोक लगाई थी। इसी अंतरिम आदेश के तहत बाद में कई अन्य नियुक्तियों पर भी रोक लगा दी गई। संबंधित याचिका 2 सितंबर 2024 को हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर हो गई। इसी तरह राज्य शासन ने ओबीसी आरक्षण से जुड़ी करीब 70 याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करा ली हैं, जिन पर फैसला आना बाकी है।

कैसे लाया गया 87:13 का फॉर्मूला

हाईकोर्ट के आदेश के बाद एमपी में भर्तियों पर रोक लग गई। भर्तियां न होने से सरकार और राज्य लोक सेवा आयोग दबाव में थे। साल 2022 में सामान्य प्रशासन विभाग ने **87:13** फॉर्मूला बनाया और MPPSC को इसके आधार पर रिजल्ट जारी करने का सुझाव दिया। कोर्ट ने भी इस फॉर्मूले को हरी झंडी दिखाई थी। इसमें वो 13% सीटें होल्ड की जाती हैं, जो कमलनाथ सरकार ने ओबीसी को देने का ऐलान किया था। ये सीटें तब तक होल्ड पर रखी जाएंगी, जब तक कि कोर्ट ओबीसी या अनारक्षित वर्ग के पक्ष में फैसला नहीं सुनाता ।

जानिए, 13% पदों को होल्ड करने की वजह

साल 2019 से पहले एमपी में सरकारी नौकरियों में OBC को 14%, ST को 20% और SC को 16% आरक्षण दिया जाता था। बाकी बचे 50% पद अनरिजर्व्ड कैटेगरी से भरे जाते थे। यानी आरक्षण की सीमा 50% थी। 2019 में तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने ओबीसी आरक्षण को 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी कर दिया। इससे आरक्षण की सीमा बढ़कर 63 फीसदी हो गई। आरक्षण की बढ़ाई गई इस सीमा को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। कोर्ट ने 20 जनवरी 2020 को 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण देने के फैसले पर रोक लगा दी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि भर्तियों में ओबीसी को पहले की तरह 14 फीसदी आरक्षण दिया जाए। हाईकोर्ट ने ये आदेश 1992 में सुप्रीम कोर्ट के इंद्रा साहनी बनाम भारत सरकार के फैसले को आधार बनाकर दिया। इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि किसी भी राज्य में आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से ज्यादा नहीं हो सकती। इस फैसले के बाद एमपी सरकार ने इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने को लेकर याचिका लगाई। इसके बाद हाईकोर्ट ने कहा कि ट्रांसफर याचिका पर जब तक सुप्रीम कोर्ट अपना रुख साफ नहीं करता, तब तक हाईकोर्ट भी सुनवाई नहीं करेगा। तब से लेकर अब तक मामले में 85 से ज्यादा याचिकाएं दायर हो चुकी हैं। सभी मामले विचाराधीन हैं।

पेट्रोल में वैट लगाने वाला एमपी देश में पांचवां राज्य...

न्यूज क्राइम फाइल

पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण जहां आम लोग परेशान हैं। वहीं विपक्ष सरकार पर मंहगाई को रोकने में नाकाम साबित होने के आरोप लगाता है। पेट्रोल, डीजल पर टैक्स लगाने के मामले में मध्य प्रदेश देश में पांचवां राज्य है। दक्षिण भारत के चार राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक के बाद मप्र में सबसे ज्यादा टैक्स लगाए जा रहे हैं। लोकसभा में एक सवाल के जवाब में यह जानकारी सामने आई है।

एमपी में वैट के ऊपर वैट फिर एक फीसदी उपकर

पेट्रोल डीजल पर टैक्स के ऊपर टैक्स लगाया जा रहा है। मप्र में पेट्रोल पर 29% वैट, 2.5% रुपए प्रति लीटर वैट के साथ 1% उपकर लिया जाता है। डीजल पर 19% वैट, 1.5 रुपए प्रति लीटर वैट के साथ 1% उपकर लिया जा रहा है।

सबसे कम टैक्स अंडमान निकोबार में

पेट्रोल और डीजल पर सबसे कम एक-एक फीसदी टैक्स अंडमान निकोबार द्वीप समूह पर लिया जाता है। लक्षद्वीप में पेट्रोल और डीजल पर 10-10% वैट वसूला जाता है। दादरा और नगर हवेली एवं दमन एवं द्वीव में पेट्रोल पर 12.75% वैट और डीजल पर 13.50% वैट लिया जाता है। मेघालय में पेट्रोल पर 13.50% या 13.50 रुपए प्रति लीटर जो भी ज्यादा हो इसके साथ 10 पैसे प्रति लीटर प्रदूषण अधिभार लिया जाता है। वहीं डीजल पर 5% या 9.50% रुपए प्रति लीटर जो भी अधिक हो उसके अलावा 10 पैसे प्रति लीटर प्रदूषण अधिभार लिया जाता है। गुजरात में पेट्रोल पर 13.7% वैट के साथ टाउन रेट पर 4 फीसदी उपकर वसूला जाता है। 14.9% वैट के साथ टाउन रेट पर 4 फीसदी उपकर लिया जाता है।

पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हमारे वीर जवानों को शत-शत नमन और विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।भारत उनका सर्वोच्च बलिदान कभी नहीं भूलेगा।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

आरोप लगाया- लोकायुक्त से रिश्वतखोरी की शिकायत की थी, गाड़ी में थे अहम दस्तावेज

किसान बोला- एसडीएम ने सबूत मिटाने मेरी कार जलवाई

न्यूज क्राइम फाइल

जबलपुर के संजीवनी नगर में एक किसान की फॉर्च्यूनर कार में आग लगा दी गई। किसान का आरोप है कि शाहपुरा एसडीएम और उनके ड्राइवर ने आग लगवाई है। क्योंकि कार में उनके खिलाफ सबूतों के दस्तावेज रखे हुए थे। घटना गुरुवार रात की है। मामले में संजीवनी नगर थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दरअसल, 18 दिसंबर को जबलपुर लोकायुक्त पुलिस ने किसान संग्राम सिंह की शिकायत पर शाहपुरा एसडीएम नदीमा शीरी के ड्राइवर सुनील पटेल को डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने सुनील को सस्पेंड कर दिया था। निलंबन की अवधि में उसे कुंडम तहसील में पदस्थ किया गया है।

एसडीएम के ड्राइवर को रिश्वत के साथ पकड़ा

संजीवनी नगर में रहने वाले संग्राम सिंह पेशे से किसान हैं। करीब ढाई महीने पहले उन्होंने जबलपुर लोकायुक्त एसपी को लिखित शिकायत में बताया था कि अवैध धान भंडारण से जुड़े केस को रफा-दफा करने के लिए शाहपुरा एसडीएम नदीमा शीरी द्वारा तीन लाख रुपए की मांग की जा रही है। ठुलोकायुक्त ने जांच करने के बाद

शिकायत को सही पाया। 18 दिसंबर को शाहपुरा एसडीएम कार्यालय में उनके ड्राइवर सुनील पटेल को डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। किसान का आरोप था कि रिश्वतखोरी में एसडीएम भी शामिल हैं।

एएसपी ने पुलिस को दिए जांच के आदेश

किसान ने बताया, 13 फरवरी की रात मेरी कार घर के बाहर खड़ी थी। फायर ब्रिगेड को बुलाया गया, लेकिन तब तक कार में रखे सभी दस्तावेज जल चुके थे। लोकायुक्त की जांच में फंसे आरोपियों ने ही कार में आग लगाई या फिर लगवाई है। किसान संग्राम सिंह, एएसपी सोनाली दुबे से मिलने पहुंचे और उन्हें कार में आग लगने की घटना की जानकारी दी। एएसपी ने संजीवनी नगर पुलिस को जांच के आदेश दिए हैं।

मामला रफा-दफा करने 3 लाख की रिश्वत मांगी

किसान संग्राम सिंह ने बताया कि एक रिश्तेदार की ग्राम खामदेही में एक एकड़ पर गांव के किसान बासमती धान का भंडारण करते किया जाता था। 5 से 6 किसानों की लगभग 4 हजार धान की बोरियां यहां रखी हुई थी। 28 दिसंबर को तहसीलदार शाहपुरा रविंद्र पटेल ने पहुंचकर पूछा धान यहां पर कैसे आई, इतनी सारी बोरियां यहां पर क्यों रखी है। उन्होंने धमकाया और पंचनामा बनाते हुए कार्रवाई करने लगे। आगे की कार्रवाई के लिए उन्होंने शहपुरा महिला एसडीएम नदीमा शीरी को भेज दी। इस पर एसडीएम कार्यालय शाहपुरा से कारण बताओ नोटिस दिया था। जिसके संबंध में पीड़ित एसडीएम के ड्राइवर सुनील पटेल से मिला तो मामला रफा-दफा करवाने के एवज में 3 लाख रिश्वत की मांग की गई।

डिप्टी जेलर ने कैदी को लात-घूसों से पीटा

इंदौर के महू में जमीन पर पटका, पैरों से गर्दन दबाई; वीडियो सामने आने के बाद सस्पेंड

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर की महू उपजेल में कैदी से मारपीट का वीडियो सामने आया है। आरोप है कि वीडियो में डिप्टी जेलर मनोज चौरसिया एक कैदी को लात-घूंसों से मारते नजर आ रहे हैं। काली टीशर्ट पहने डिप्टी जेलर चौरसिया ने पहले कैदी को जमीन पर पटक दिया। उसके गले पर पैर रखा। चेहरे पर भी लातें मारी। इतना ही नहीं डिप्टी जेलर ने कैदी की गर्दन को अपने दोनों पैरों के बीच फंसा लिया। जिसके बाद पास में खड़ा सिपाही भी उसे लात मारते दिख रहा है। वीडियो में डिप्टी जेलर मनोज चौरसिया के साथ सिविल ड्रेस में जेल प्रहरी दया किशन कुशवाह और सिपाही महेंद्र कुशवाह भी नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद डिप्टी जेलर मनोज चौरसिया को शुक्रवार को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई जेल अधीक्षक इंदौर अलका सोनकर के निर्देश पर की गई है।

एक कैदी ने कलेक्टर को सौंपा था वीडियो

मामले का खुलासा तब हुआ जब 7 साल तक जेल में बंद रहे एक कैदी राजेंद्र चौहान ने 8 फरवरी को वीडियो समेत इंदौर कलेक्टर कार्यालय में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में जेलर डिप्टी जेलर मनोज चौरसिया पर आरोप लगाया गया है कि उसने कैदी से मोटी रकम की मांग की। कैदी जब उसका भुगतान नहीं कर पाया तो फिर उसे बेरहमी से पीटा।

आज माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की गरिमामय उपस्थिति में मुख्यमंत्री आवास पर जन अभियान परिषद के शासी निकाय की 14वीं कार्यकारिणी बैठक में सहभागिता की।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के मेहमान सदर मंजिल में रुकेंगे

126 साल पुरानी विरासत अब हेरिटेज होटल; लग्जरी रूम्स के साथ डिजिटल लाइब्रेरी भी

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में 24-25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की साक्षी राजधानी की 126 साल पुरानी विरासत सदर मंजिल भी बनेगी। सात साल की मेहनत के बाद सदर मंजिल न सिर्फ नए रूप में तैयार हुई है, बल्कि अब यह एक हेरिटेज होटल में तब्दील हो गई है, जहां पहली बार मेहमान ठहरेंगे। इन मेहमानों के लिए 20 कमरे बुक हो चुके हैं, जिन्हें नवाबी दौर की शान-ओ-शौकत से रूबरू होने का मौका मिलेगा। इस हेरिटेज होटल में कुल 22 कमरे हैं, जिनमें से अब तक 20 की बुकिंग हो गई है। 23, 24 और 25 फरवरी को सदर मंजिल में देश की नामी कंपनियों के डायरेक्टर, सीईओ और एमडी ठहरेंगे। रेनोवेशन के बाद पहली बार इसमें मेहमान रात बिताएंगे। तड्डस के बाद यह होटल आम लोगों के लिए भी खोल दिया जाएगा।

ट्रायल के बाद जीआईएस से शुरुआत का फैसला

सदर मंजिल में बने हेरिटेज होटल की शुरुआत से पहले ट्रायल हो चुका है। ट्रायल में स्टाफ के परिवार के लोग यहां पहुंचे थे। इस दौरान खाने का स्वाद, लाइटिंग और इंटीरियर पर खास ध्यान दिया गया। ट्रायल में होटल पास हुआ, इसलिए इसे तड्डस से ही शुरू करने का फैसला लिया गया है। हालांकि, तड्डस से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव या किसी मंत्री से इसका उद्घाटन कराया जा सकता है।

5 स्टार होटल की कैटेगरी में शामिल

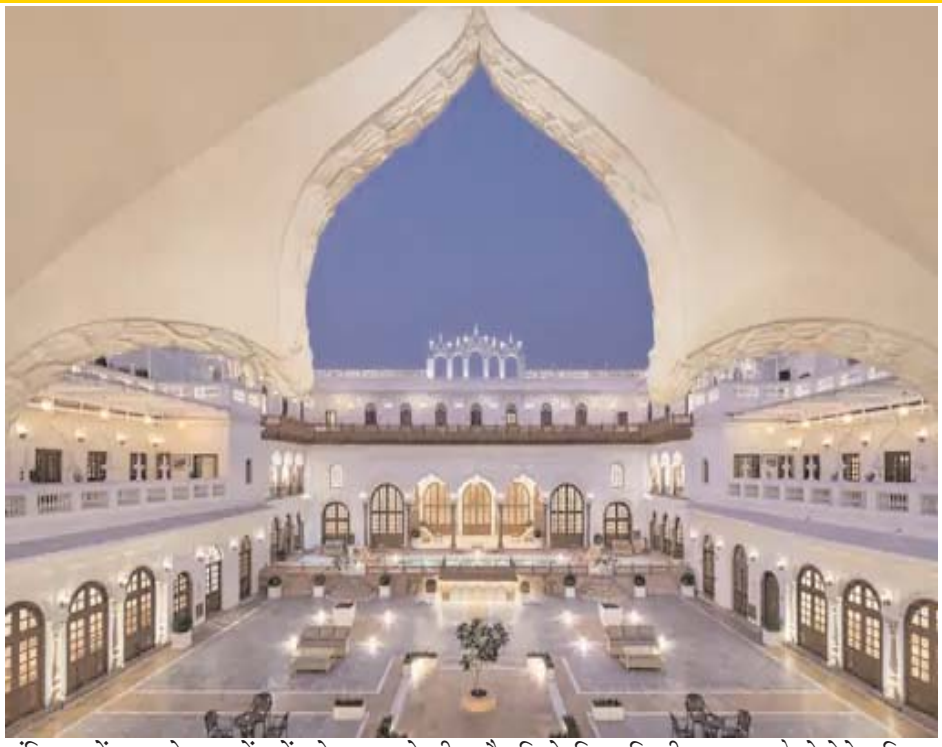

जीआईएस के लिए भोपाल और आसपास के क्षेत्रों के 60 से अधिक टू से फाइव स्टार होटलों में 1600 से अधिक कमरे बुक किए जा रहे हैं। 5 स्टार होटलों में देश के शीर्ष उद्योगपति ही ठहरेंगे। सदर मंजिल को भी 5 स्टार होटल की कैटेगरी में शामिल किया गया है। सदर मंजिल में ठहरने वालों में नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के चेयरमैन मिनेश शाह, नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड के चेयरमैन सुनील सिंघी, ओमेगा पावर के एमडी हरि प्रकाश समेत सुमित अग्रवाल, कुमार वेंकटसुब्रह्मण, केतल मेहता, राहुल संघवी, लवनीश छानना, सतीश संडी, प्रणव शर्मा, विनोद भंडारी, राहुल अवस्थी, हरीश गुप्ता, विपुल यादव, आलोक बिड़ला, शाबिर खान, अतुल वैद्य और राकेश मेरखेड़कर शामिल हैं।

इंजीनियर बोले- नवाबी दौर में सपनों का महल रहा

स्मार्ट सिटी के इंजीनियर रितेश शर्मा ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए सदर मंजिल हेरिटेज होटल शुरू किया जा रहा है। यह नवाबी दौर की एक ऐतिहासिक इमारत है, जिसे बिना किसी बदलाव के रेनोवेट किया गया है। यह भवन नवाबी दौर में सपनों का महल रहा है। भारत की आजादी और विलीनीकरण के बाद इस इमारत में कई सालों तक नगर निगम का दफ्तर संचालित होता रहा। 2017 से इसे पीपीपी मोड पर दिया गया था और 7 सालों में यह इमारत नए स्वरूप में दिखाई देने लगी है। टेस्टिंग भी सफल रही है।

इन्वेस्टर्स के लिए 1 लाख रुपए प्रति दिन तक के रूम बुक

शीर्ष उद्योगपतियों के लिए 5 स्टार कैटेगरी के दो प्रमुख होटलों में बुकिंग की गई है। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम (एमपीटीडीसी) ने इन कमरों को ब्लॉक किया था, जबकि बुकिंग उद्योगपति स्वयं कर रहे हैं। यहां प्रेसिडेंशियल सुइट, लग्जरी सुइट, एक्जीक्यूटिव सुइट, डीलक्स लेक व्यू, लग्जरी रूम, डीलक्स रूम, कोर्टयार्ड सुइट, क्लब रूम, जूनियर सुइट और विंटर ग्रीन जैसे कमरे अवेलेबल हैं। इनका एक दिन का किराया 12 हजार से 1 लाख रुपए तक है। इसके अलावा 2, 3 और 4 स्टार होटलों में भी 1600 से 4000 रुपए प्रतिदिन तक के कमरे बुक किए गए हैं।

समिट में मेहमान बना सकेंगे मिट्टी के बर्तन

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में एक जिला, एक उत्पाद एक्सपो भी लगाया जाएगा। इसमें मध्यप्रदेश के अलग-अलग जिलों के उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। सभी 38 उत्पाद स्वामियों द्वारा ODOP जोन में स्टॉल लगाए जाएंगे, जिसे लाइव काउंटर और प्रोसेस काउंटर में बांटा गया है। 8 प्रमुख ODOP वस्तुएं जैसे- बाघ प्रिंट, जरी जरदोजी, बाटिक प्रिंट, कालीन, चंदेरी, बांस, बलुआ पत्थर और कपड़े की जैकेट के लिए लाइव काउंटर होंगे। यहां कारीगर मैन्युअल निर्माण प्रक्रिया का प्रदर्शन करेंगे। अतिथि और प्रतिनिधि कारीगरों की सहायता से अपने हाथों से उत्पाद भी बना सकेंगे। इसके अलावा मानव संग्रहालय के कुम्हारपुरा और टेक्निकल जोन में मिट्टी के बर्तन और धातु कला के लाइव काउंटर भी लगाए गए हैं।

खाद्य पदार्थ, मसाले और फलों के काउंटर लगेंगे

खाद्य पदार्थ, मसाले और फलों की श्रेणी में आने वाली प्रमुख ODOP वस्तुएं 32 काउंटरों में उनकी निर्माण प्रक्रिया के साथ प्रदर्शित की जाएंगी, ताकि अतिथि इन उत्पादों को देख और खरीद सकें। यह मंच प्रत्येक काउंटर पर आने-जाने वालों का डेटा एकत्र करके क्षमता निर्माण में मदद करेगा और आगे चलकर कारीगरों को भविष्य के व्यवसाय के लिए मदद करेगा।

15 दिन से लापता महाराष्ट्र का जवान बैतूल में मिला

न्यूज क्राइम फाइल

31 जनवरी को विदिशा और भोपाल के बीच लापता हुआ जवान गौड़ गुड्डु मुकेश 12 फरवरी को बैतूल के चिचोली में मिला। उसने बताया- किसी ने मेरा ट्रेन से अपहरण किया था। मैं 12 दिन तक बेहोश रहा। आंख खुली तो कुछ लोग मुझे बोलेरो में कहीं ले जा रहे थे। मैं गाड़ी से कूद गया। गौड़ गुड्डु मुकेश (26) सेना की लद्दाख यूनिट में गनर है। वह छुट् ?टियां मनाने अपने घर महाराष्ट्र के गोंदिया आया था। 31 जनवरी को यूनिट के लिए लौटते वक्त ट्रेन से लापता हो गया था। उधर, पुलिस का कहना है कि जवान की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। घायल होने की वजह से उसे चिचोली प्राथमिक

स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। वह बार-बार बयान बदल रहा था। हम हर एंगल से जांच कर रहे हैं। बीएमओ राजेश अतुलकर ने बताया कि मुकेश की शारीरिक हालत अब ठीक है। उसके सीनियर अफसर और पिता उसे अपने साथ भंडारा ले गए हैं।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- भागते हुए चाय की दुकान पर पहुंचा

मुकेश को अस्पताल पहुंचाने वाले पूर्व जनपद सदस्य डोमा सिंह ने कहा- हम बुधवार रात करीब 8 बजे आलमपुर में एक दुकान पर चाय पी रहे थे। इसी दौरान युवक भागते हुए वहां पहुंचा। दो लोग उसके पीछे दौड़ रहे थे। युवक ने खुद को आर्मी का जवान बताया। मौके से 500 मीटर दूर एक बोलेरो खड़ी थी। जवान घबराया हुआ था। उसके शरीर पर ब्लेड से काटने के निशान थे। उसे घबराहट हो रही थी। हम उसे निजी वाहन से सीएचसी, चिचोली ले गए।

पहले कहा- सीधे 12 तारीख को होश आया

पुलिस के मुताबिक, मुकेश ने पहले बयान में कहा- मैं इंडियन आर्मी में जॉब करता हूं। लद्दाख में मेरी यूनिट है। 31 जनवरी को 11 बजे गोंदिया स्थित अपने घर से यूनिट जाने के लिए निकला था। रिजर्वेशन कन्फर्म नहीं था। इसीलिए भंडारा से गोंडवाना एक्सप्रेस में जीआरपी वाले से बात कर बी-4 कोच की एक सीट पर लेट गया। घर वालों से फोन पर भोपाल तक बात हुई। विदिशा से बीना के बीच मैं टॉयलेट गया। इस दौरान बाजू से एक आदमी निकला। पता नहीं कैसे मैं बेहोश हो गया। फिर 12 तारीख को ही होश आया।

प्रतिदिन पौधरोपण का संकल्प माँ समान प्रकृति की सेवा का अभियान है, जो अनवरत जारी रहेगा।इसी क्रम में आज भोपाल स्थित स्मार्ट सिटी पार्क में पौधा रोपा। आप भी पौधरोपण अवश्य करें।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

ट्रम्प बोले- भारत टैरिफ लगाने में सबसे ऊपर

ट्रम्प ने सभी देशों पर जैसे को तैसा टैरिफ लगाया

संदीप कुमार सिंह

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पीएम मोदी से मुलाकात के 2 घंटे पहले भारत समेत सभी देशों पर जैसे को तैसा टैरिफ (रेसिप्रोकल टैरिफ) लगाने का ऐलान किया है। रेसिप्रोकल टैरिफ यानी जो देश अमेरिकी सामान पर जितना टैरिफ लगाएगा, अमेरिका भी उस देश के सामान पर उतना ही टैरिफ लगाएगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने इससे जुड़े नए टैरिफ पॉलिसी पर गुरुवार रात दस्तखत किए। ट्रम्प ने प्रेस ब्रीफिंग में भारत पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- मुझे याद है कि जब हार्ले डेविडसन भारत में अपनी मोटरबाइक नहीं बेच पा रही थी, क्योंकि भारत में टैक्स बहुत ज्यादा था, टैरिफ बहुत ज्यादा था और हार्ले को मैन्युफैक्चरिंग बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मुझे लगता है कि टैरिफ से बचने के लिए उन्हें भारत में एक फैक्ट्री लगानी पड़ी। हम भी ऐसा ही कर सकते हैं। टैरिफ से बचने के लिए वे हमारे यहां फैक्ट्री या प्लांट लगा सकते हैं। ट्रम्प ने क्यों लगाया रेसिप्रोकल टैरिफ ट्रम्प ने कुछ दिन पहले मीडिया से कहा था कि अब रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) होने का समय आ गया है। अब आप लगातार रेसिप्रोकल शब्द सुनेंगे। अलग दूसरे देश पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाते हैं तो हम भी उन पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाएंगे। ट्रम्प का मानना है

कि दूसरे देश अमेरिका के मुकाबले में बहुत ज्यादा टैरिफ लगाकर अमेरिका को धोखा दे रहे हैं। दूसरे देशों की तरह ही आयात कर लगाने से निष्पक्ष व्यापार होगा और अमेरिकी सरकार में कमाई में बढ़ोतरी होगी। व्हाइट हाउस ने इसे लेकर कहा था कि अन्य देश अमेरिका को लूट रहे हैं। यही वजह है कि राष्ट्रपति का मानना है कि यह एक बेहतरीन पॉलिसी होगी जो अमेरिकी वर्कर्स को फायदा देगी और हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा में सुधार करेगी। भारत पर क्या असर पड़ेगा? अगर अमेरिका ने भारत पर टैरिफ बढ़ाया तो इससे नुकसान होगा। भारत अपना 17% से ज्यादा विदेशी व्यापार अमेरिका से करता है। अमेरिका, भारत के एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स जैसे फल और सब्जियों का सबसे बड़ा खरीदार है। 2024 में अमेरिका ने भारत से 18 मिलियन टन चावल भी इम्पोर्ट किया है। अगर अमेरिका ने भारत पर टैरिफ लगाया तो अमेरिकी बाजारों में भारतीय प्रोडक्ट्स महंगे बिकने लगेंगे। इससे अमेरिकी जनता के बीच इनकी डिमांड कम हो जाएगी। भारत अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों में भारत सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों में शामिल रहा है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में साल 1990-91 तक औसत टैरिफ 125% तक था। उदारीकरण के बाद यह कम होता चला गया। 2024 में भारत का एवरेज टैरिफ रेट 11.66 % था। ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद भारत सरकार ने टैरिफ रेट में बदलाव किया। द हिन्दू की रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार ने टैरिफ के 150%, 125% और 100% वाली दरों को खत्म कर दिया है। अब भारत में सबसे ज्यादा टैरिफ रेट 70% है। भारत में लग्जरी कार पर 125% टैरिफ था, अब यह 70% कर दिया गया है। ऐसे में साल 2025 में भारत का एवरेज टैरिफ रेट घटकर 10.65% हो चुका है। आमतौर पर सभी देश टैरिफ लगाते हैं। किसी देश में इसका रेट कम और किसी में ज्यादा हो सकता है। हालांकि, बाकी देशों से तुलना की जाए तो भारत सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक है।

दो दिवसीय अमेरिका दौरे पर मोदी

पीएम मोदी दो दिनों की यात्रा पर 13 फरवरी को तड़के 4:30 बजे अमेरिका पहुंचे। मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज, टेस्ला चीफ इलॉन मस्क और भारतीय मूल के उद्योगपति विवेक रामास्वामी से भी बातचीत की। ट्रम्प बोले- 100% टैरिफ लगाते ही BRICS खत्म हो जाएगा ट्रम्प ने डॉलर की जगह किसी दूसरी करेंसी के इस्तेमाल पर BRICS देशों को 100% टैरिफ लगाने की धमकी दी। ट्रम्प ने कहा- जिस दिन इन देशों ने ऐसा किया, वे उसी दिन टैरिफ न लगाने की भीख मांगेंगे।

भाजपा को होली से पहले नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलेगा

न्यूज क्राइम फाइल

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत मार्च के पहले हफ्ते तक शुरू हो जाएगी। होली 14 मार्च से पहले पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। इस बार राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए दक्षिण भारत से किसी नेता के नाम पर सहमति बन सकती है। क्योंकि, भाजपा का फोकस अब दक्षिणी राज्यों पर है। फरवरी के आखिरी तक 18 राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया पूरी होते ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित होगा। भाजपा संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी कराया जा सकता है जब देश के कम से कम आधे राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव हो जाएं। पार्टी के एक नेता के मुताबिक, मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को एक और कार्यकाल देने की जगह पार्टी नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनेगी। हालांकि, भाजपा संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए कोई व्यक्ति लगातार दो टर्म

के लिए चुना जा सकता है। इस लिहाज से नड्डा तकनीकी रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की योग्यता रखते हैं, लेकिन सूत्रों का कहना है कि उन्होंने दोबारा अध्यक्ष बनने की जगह किसी नए व्यक्ति को यह जिम्मेदारी देने की बात कही है। दक्षिण भारत से किसी को मौका संभव, 20 साल से नहीं बना इस बार राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए दक्षिण भारत से किसी नेता के नाम पर सहमति बनाने का विचार है। क्योंकि, भाजपा का फोकस अब दक्षिणी राज्यों पर है। 20 साल से वहां से कोई राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बना है। 2002-2004 के बीच वेंकैया नायडू (आंध्र) आखिरी थे। इस पर आरएसएस व आनुषंगिक संगठनों से भी चर्चा हो चुकी है। ये तय है कि जो भी नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा अगला लोकसभा चुनाव 2029 उसी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल 3 साल होता है, ऐसे में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल जनवरी 2028 तक होगा। ठीक 14 महीने बाद लोकसभा चुनाव होंगे। जिसके चलते उनका कार्यकाल लोकसभा चुनाव तक बढ़ाया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कराने से पहले भाजपा में सभी प्रदेशों में संगठनात्मक चुनाव होते हैं।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623